DEPARTMENT OF SANSKRIT

RAJEEV GANDHI GOVT. PG COLLEGE AMBIKAPUR (C.G)

PROGRAM /COURSE STRUCTURE AND SYLLABUS

as per the Choice Based Credit System (CBCS)

for

BACHELOR OF ARTS B.A. (SANSKRIT)

(OLD COURSE)

SESSION - 2022-23

Website : http://www.rgpgcapur.in/ E-mail– rgpg.apur1960@gmail.com
Phone : 07774 – 230921

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ0ग0)

विषय – संस्कृत (स्नातक स्तर)

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं चतुर्थ वर्ष हेतु संस्कृत विषय के दो–दो प्रश्नपत्र 100 अंकों के होंगे, जिनमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा होगी और आन्तरिक मूल्यांकन (सतत् व्यापक मूल्यांकन) 30 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 5 इकाइयों में विभक्त होगा और प्रत्येक इकाई 20 अंकों की होगी।

Programme Outcome

PO-01.छात्रों में लेखन एवं वाचन में भाषागत कौशल का विकास होगा।

PO-02.भाषिक ज्ञान के साथ अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा।

PO-03.प्राचीन भारतीय विद्या की जानकारी पूर्वक राष्ट्र गौरव की चेतना विकसित होगी।

PO-04.भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से अवगत होकर विश्वमानवता के भाव में प्रतिष्ठित होंगे।

PO-05.नैतिक तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात् कर राष्ट्रोन्नति में एक सक्षम मानव संसाधन सिद्ध होंगे।

PO-06.विषय के तथ्यपूर्ण ज्ञान के साथ तार्किक – चिंतन का विकास होगा।

PO-07.बोधपूर्ण भाषायी कौशलों का विकास होगा।

PO-09.संस्कृत भाषा व साहित्य के प्रति अभिरूचि उत्पन्न होगा।

Programme Specific Outcome

1.विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा।

2.संस्कृत भाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।

3.संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषा मर्मज्ञता का विस्तार होगा। 4.संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण–लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।

5.भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन–सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी।

6.मातृभाषा में संस्कृत शब्दों की पहचान होगा।

7.सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान होगा।

8.संस्कृत भाषा एवम् साहित्य के प्रति अनुसंधानात्मक दृष्टिकोण जागृत होगा।

9.योग्य प्रशासक के गुणों का विकास होगा

Course Outcome

CO-01.प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज तथा लोक–व्यवहार एवं भाषा आदि का ज्ञान होगा।

CO-02.मानवीय जीवनमूल्य, संवेदनाओं तथा गुणों को आत्मसात् करने की प्रेरणा मिलेगी।

CO-03.विश्व स्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा।

CO-04.वर्णमाला की गहन जानकारी पूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा।

CO-05.शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी।

CO-06.भाषा संस्कृत साहित्येतिहास के प्रति अभिरुचि जागृत करना।

CO-07.संस्कृत से मातृभाषा में अनुवाद कौशल विकसित करना।

CO-08.मातृभाषा से संस्कृत में अनुवाद कौशल विकसित करना।

CO-09.अनुवाद द्वारा रचना धर्मिता का विकास करना।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓		✓		✓	✓		✓	✓
PO2	✓		✓	✓		✓	✓	✓	
PO3		✓	✓		✓	✓	✓		✓
PO4		✓		✓	✓		✓	✓	✓
PO5	✓	✓	✓		✓	✓		✓	
PO6		✓	✓	✓		✓		✓	✓
PO7	✓	✓		✓	✓		✓		✓
PO8	✓		✓	✓		✓		✓	
PO9		✓	✓		✓		✓	✓	✓

B.A. 1st SEMESTER

(SANS-101)

विषय– संस्कृत

शीर्षक –नाटक, व्याकरण और अनुवाद

सेमेस्टर (SEE) परीक्षा अंक 70 **अंतरिक (CCA) मूल्यांकन 30**

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–संख्या
1	**स्वप्नवासवदत्तम्– व्याख्या –**	15
2	**स्वप्नवासदत्तम् समीक्षात्मक प्रश्न –**	15
3	सुबंत (शब्दरूप) राम, गति, भानु, पितृ, करीन्, भूभृत्, कर्तृ, चंद्रमस्, भगवत्, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, वाच्, रात्रि, सर्व, तद, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्, एक, द्वि.त्रि. वचन तिङन्त (धातु रूप) भ्वादि, दिवादि, तुदादि, चुरादि, इन चार गणों के धातुओं के लट्, लोट्, लृट् और विधिलिङ् लकारों के रूप एवं अस् और कृ धातुओं के भी रूप।	15
4	**प्रंत्याहार, संज्ञा तथा संधि और विभक्त्यर्थ–**	15
5	**हिन्दी से संस्कृत में 10 वाक्यों का अनुवाद –**	

अनुशंसित ग्रंथ

1. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
2. संस्कृतस्य व्यावहारिक स्वरूपम् – डॉ. नरेन्द्र, श्री अरविन्द आश्रम
3. संस्कृत व्याकरण – श्रीधर वाशिष्ठ
4. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन पहना 1971
5. साधुबोध व्याकरणम् – डॉ. श्रीमति पुष्पा दीक्षित , कंठस्थ पाणिनीय शोध संस्था बिलासपुर (छ.ग.)
6. लघुसिद्धांतकौमुदि – श्री शारदा रंजन रॉय 1954
7. संस्कृत निबंध रत्नाकर – डॉ. शिव प्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन दिल्ली – 1977 द्वितीय संस्करण

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना / असाइनमेंट / पेपर प्रेजेन्टेशन / आवधिक परीक्षण / संस्कृत संभाषण (मौखिकी)	**20 अंक**

Course Outcome

CO-01. छात्रों को विविध गद्य शैलियों से परिचित करना।
CO-02. गद्य द्वारा सभी प्रकारों के विचारों, कोमलभावों एवम शिक्षाप्रद मूल्यों को अभिव्यक्त करना।
CO-03. संस्कृत के कथा साहित्यों का छात्रों को परिचित कराना।
CO-04. कथा साहित्य के माध्यम से तर्क शक्ति का विकास करना।
CO-05. छात्रों में उत्तम चरित्र का निर्माण करना।
CO-06. कथा साहित्य की सर्जनात्मक शक्ति का विकास करना।
CO-07. कथा साहित्य के माध्यम से कल्पना शक्ति का विकास करना।
CO-08. साहित्येतिहास से सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक, अध्यात्मिक, दार्शनिक, सामाजिक और राजनीतिक आदि की जानकारी प्राप्त करना।
CO-09. साहित्येतिहास ग्रंथों के रहस्यों को ज्ञात करना।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1		✓	✓	✓	✓		✓	✓	✓
PO2	✓	✓		✓		✓	✓		
PO3	✓		✓		✓	✓		✓	✓
PO4	✓			✓		✓	✓		
PO5		✓	✓		✓	✓		✓	✓
PO6	✓	✓	✓	✓	✓		✓	✓	
PO7	✓		✓	✓		✓	✓		✓
PO8		✓			✓	✓		✓	
PO9	✓	✓		✓	✓		✓		✓

राजीव गांधी शासकीय (स्वशासी) स्नाकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0

बी. ए. सेमेस्टर –2

(SANS-201)

विषय– संस्कृत

शीर्षक गद्य, कथा एवं साहित्योतिहास

सेमेस्टर **(SEE)** परीक्षा अंक 70 अंतरिक **(CCA)** मूल्यांकन 30

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–संख्या
1	शुकनासोपदेश (व्याख्या)	15
2	हितोपदेश मित्रलाभ (व्याख्या)	15
3	शुकनासोपदेश व हितोपदेश के समीक्षात्मक प्रश्न –	15
4	संस्कृत, नाटक एवं कथा साहित्य का इतिहास–	15
5	प्रमुख कवियों के परिचय, महाकवि कालिदास, महाकवि माघ, महाकवि भारवि, महाकवि श्रीहर्ष, महाकवि अम्बिकादत्त व्यास–	

अनुशांसित ग्रंथ

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ राधा वल्लभ, वि.वि. प्रकाशन, सागर
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – पं. बलेदव उपाध्याय
3. हितोपदेश मित्रलाभ – मोतीलाल बनारसीदास काशी अथवा चौखम्बा प्रकाशन, काशी

मूल्यांकन योजना		(अधिकतम अंक 100)
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना/असाइनमेंट/पेपर प्रेजेन्टेशन/आवधिक परीक्षण/संस्कृत संभाषण (मौखिकी)	**20 अंक**

Course Outcome

CO-01. नाटय् विधाओं की योग्यता विकसित करना।

CO-02.प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करना।

CO-03.नाट्य अभिनय कला का परिचय प्रदान करना।

CO-04.भाषा के गुण – दोषों को समझने की क्षमता प्रदान करना।

CO-05.भाषा ज्ञान सम्बन्धी कठिनाईयों को दूर करना।

CO-06.वाक्य रचना के माध्यम से शब्दों की संरचना, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास आदि का ज्ञान करना।

CO-07.कारक प्रयोग एवम अनुवाद द्वारा रचना धर्मिता का विकास करना।

CO-08.संस्कृत के नाटय शास्त्रों से परिचित होंगे।

CO-09.भाषा के व्याकरणिक दृष्टिकोण का विकास होगा।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓	✓		✓			✓	✓	✓
PO2	✓	✓	✓		✓	✓	✓		✓
PO3	✓		✓	✓		✓		✓	
PO4	✓	✓	✓		✓		✓		✓
PO5	✓			✓		✓		✓	
PO6	✓	✓	✓	✓	✓			✓	
PO7	✓		✓		✓	✓	✓		✓
PO8		✓		✓				✓	✓
PO9		✓	✓		✓	✓	✓		✓

राजीव गांधी शासकीय (स्वशासी) स्नाकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0

बी. ए. सेमेस्टर –3

(SANS-301)

विषय– संस्कृत

शीर्षक–नाटक, व्याकरण तथा रचना

सेमेस्टर **(SEE)** परीक्षा अंक 70 अंतरिक **(CCA)** मूल्यांकन 30

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–संख्या
1	नागानंद नाटक (श्रीहर्ष) दो श्लोकों की ससंदर्भ व्याख्या संसदर्भ दो सूक्तियों की व्याख्या	15
2	नागानंद–समीक्षात्मक प्रश्न	15
3	व्याकरण – लघुसिद्धांत कौमुदी, कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य।	15
4	व्याकरण – लघुसिद्धांत कौमुदी, समास प्रकरण ।	15
5	वाक्य रचना–व्याकरण के अधीत अंश पर आधारित दस संस्कृत शब्दों से वाक्य रचना।	

अनुशंसित ग्रंथ

1. अनुवाद चंद्रिका – चौखम्बा प्रकाशन काशी

मूल्यांकन योजना		(अधिकतम अंक 100)
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना/असाइनमेंट/पेपर प्रेजेन्टेशन/आवधिक परीक्षण/संस्कृत संभाषण (मौखिकी)	**20 अंक**

Course Outcome

CO-01. संस्कृत पद्य साहित्य के प्रति अभिरुचि जागृत करना।

CO-02. काव्य – सौंदर्य की अनुभूति करने की क्षमता प्रदान करना।

CO-03. साहित्येतिहास ग्रंथों के रहस्यों को ज्ञात करना।

CO-04. अनुसंधानात्मक दृष्टिकोण जागृत करना।

CO-05. संस्कृत साहित्येतिहास से प्राचीन कवियों, महाकवियों लेखकों के बारें में जानकारी प्राप्त करना।

CO-06. साहित्येतिहास से सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक, अध्यात्मिक, दार्शनिक, सामाजिक और राजनीतिक आदि की जानकारी प्राप्त करना।

CO-07. साहित्येतिहास से विद्यार्थियों में कल्पना शक्ति का विकास करना।

CO-08. प्राचीन ग्रंथेतिहास के बारे में समझ विकसित करना।

CO-09. संस्कृत साहित्य में पद्य की भूमिका से भाषागत वाचन,श्रवण,लेखन,अभिनय आदि कौषल का विकास होगा।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓	✓	✓		✓	✓		✓	✓
PO2	✓	✓		✓	✓	✓	✓		
PO3		✓	✓	✓		✓		✓	✓
PO4			✓	✓		✓	✓		
PO5		✓	✓				✓		✓
PO6	✓	✓		✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO7	✓		✓			✓		✓	✓
PO8	✓	✓		✓	✓		✓		
PO9	✓		✓		✓	✓	✓	✓	✓

राजीव गाँधी शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

बी0ए0 सेमेस्टर–4

(SANS-401)

विषय–संस्कृत

शीर्षक–पद्य तथा साहित्येतिहास

सेमेस्टर (SEE) परीक्षा अंक 70 **अंतरिक (CCA) मूल्यांकन 30**

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–संख्या
1	रघुवंशमहाकाव्य – द्वितीय सर्ग दो श्लाकों की संदर्भ व्याख्या एक श्लोक का अनुवाद	15
2	रघुवंशमहाकाव्य – समीक्षात्मक प्रश्न ।	15
3	नीतिशतक (भृतहरि), दो श्लोकों की व्याख्या ।	15
4	साहित्येतिहास महाकाव्य तथा गद्यकाव्य – रघुवंश, कुमारसंभव, बुद्धचरित, किरातार्जुनीयम्, भट्टिकाव्य, जानकीहरण, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, हरविजय, विक्रमांकदेवचरित, राजतरंगिणी। वासवदात्ता, दशकुमारचरित, कादम्बरी, हर्षचरित, तिलकमंजरी, गद्यचिन्तामणी, शिवराजविजय।	15
5	साहित्येतिहास गीतिकाव्य, मुक्तककाव्य तथा कथा साहित्य– शतकत्रय (भतृहरि), ऋतुसंहार, मेघदूत, अमरूशतक, गीतागोंविन्द, भामिनीविलास, पंचलहरी, नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, पंचतंत्र, हितोपदेश, वेतालपंचविशंति, शुकसप्तति, कथासरितसागर, वृहतथामंजरि, कथामुक्तावली। उल्लिखित कृतियों रचयिताओं के सामान्य परिचय अपेक्षित है।	

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना/असाइनमेंट/पेपर प्रेजेन्टेशन/आवधिक परीक्षण/संस्कृत संभाषण (मौखिकी)	**20 अंक**

Course Outcome

CO-01. नाटकों के अध्ययन द्वरा तत्कालीन संस्कृति से लाभान्वित होना।
CO-02. छात्रों को भावाभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करना।
CO-03. नाटकीय तत्वों के शास्त्रीय पक्षों के ज्ञान द्वरा साहित्य गत प्रयोगों की क्षमता विकसित करना।
CO-04. छंद के द्वारा श्लोक, मंत्रो की गति यति लय भावाभिनय पढ़ने में दक्षता प्राप्त करना।
CO-05. छंद – ज्ञान द्वारा काव्य रचना कौशल का विकास करना।
CO-06. काव्य – सौंदर्य की अनुभूति करने की क्षमता प्रदान करना।
CO-07. व्यकरण के व्युत्पत्ति ज्ञान द्वारा संस्कृत के शुद्ध रूप का ज्ञान एवम प्रयोग दक्षता विकसित करता है।
CO-08. श्रवण, वाचन , लेखन आदि कौशल का विकास करना।
CO-09. शब्दकोश की वृद्धि।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓		✓	✓		✓	✓	✓	✓
PO2	✓	✓	✓		✓	✓		✓	
PO3	✓	✓		✓		✓			✓
PO4			✓	✓	✓	✓		✓	✓
PO5	✓	✓	✓		✓		✓	✓	
PO6		✓		✓	✓		✓		✓
PO7		✓	✓		✓	✓		✓	
PO8			✓	✓		✓		✓	✓
PO9	✓	✓	✓	✓		✓	✓		✓

राजीव गाँधी शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

बी0ए0 सेमेस्टर–5

(SANS-501)

विषय–संस्कृत

शीर्षक–नाटक, छन्द तथा व्याकरण

सेमेस्टर **(SEE)** परीक्षा अंक 70 अंतरिक **(CCA)** मूल्यांकन 30

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–संख्या
1	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास) दो श्लाकों की संदर्भ व्याख्या एक श्लोक का अनुवाद (प्रथम, चतुर्थ, पंचम और सप्तम, अंक, व्याख्या हेतु द्रुतपाठ–शेष अंक)	15
2	अभिज्ञानशाकुन्तलम् – समीक्षात्मक प्रश्न	15
3	निर्धारित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततिलका, शार्दुलविक्रीड़ित, स्नग्धरा, मन्दाक्रांता।	15
4	व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी कृदन्त प्रकरण–तव्यत्, अनीयन्, यत्, क्यप्, शतृ, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, ण्वुल्, तृच्, ल्युट्, अण्।	15
5	व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी 1. तद्धित प्रत्यय – अण् ढक्, ष्यञ्, त्व, ढक्, इमनिच्, ठक्, अञ्, मतुप्, इनि, इतच् ईयसुन्, इष्ठन्, तरप्, तमप्, ण्य, यञ्। 2. स्त्री प्रत्यय – टाप्, डीप्, डीष्, डीन्।	

अनुशंसित ग्रंथ –

शीघ्रबोधव्याकरणम	– डॉ. पुष्पा दीक्षित, पाणिनीय शोध संस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर
लघुसिद्धांतकौमुदी	– श्रीधरानंद शास्त्री
संस्कृत हिन्दी कोष	– वामन शिवराम आप्टे
छन्दोमंजरी	– चौखंबा प्रकाशन काशी

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना/असाइनमेंट/पेपर प्रेजेन्टेशन/आवधिक परीक्षण/संस्कृत संभाषण (मौखिकी)	**20 अंक**

Course Outcome

CO-01. काव्य शास्त्र के परिचय के साथ काव्यभेद, शब्दशक्ति, काव्य का प्रयोजन ज्ञात करना।

CO-02.काव्यों के द्वारा साहित्यगत प्रयोगों की समझ विकसित करना।

CO-03.छात्रों को अलंकर ज्ञात होना।

CO-04.विद्यार्थियों में अलंकारों के साहित्यिक प्रयोगों की क्षमता का विकास करना।

CO-05.निबंध द्वारा वाक्य विन्यास और उनके सूक्ष्म नियमों का ज्ञान तथा मौलिक चिंतन करना।

CO-06.विषयगत एवं प्रासंगिक विषय पर लेखन क्षमता को विकसित करना।

CO-07.अलंकार से साहित्यिक काव्य को श्रेष्ठता प्रदान करने की बुध्दि कौषल का सृजन होगा।

CO-08.साहित्य में भाव भंगिमा को व्यक्त करने के लिए अलंकारों की समझ विकसित होगी।

CO-09.एक अच्छे निबंध लेखों के द्वारा भाषागत, अर्थगत तथा चिंतन स्तर में विस्तार होगा।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1		✓			✓		✓	✓	✓
PO2	✓		✓	✓		✓	✓	✓	
PO3			✓	✓	✓	✓			✓
PO4	✓	✓			✓		✓	✓	
PO5	✓		✓		✓	✓	✓		
PO6		✓	✓	✓		✓		✓	
PO7		✓		✓			✓	✓	
PO8	✓	✓	✓	✓		✓			✓
PO9	✓		✓		✓	✓		✓	

राजीव गाँधी शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

बी0ए0 सेमेस्टर–6

(SANS-601)

विषय–संस्कृत

शीर्षक–काव्य, अलंकार तथा निबंध

सेमेस्टर **(SEE)** परीक्षा अंक 70 अंतरिक **(CCA)** मूल्यांकन 30

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–संख्या
1	किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग (भारवि) दो श्लाकों की ससंदर्भ व्याख्या	15
2	किरातार्जुनीयम् –आलोचनात्मक प्रश्न	15
3	मूलरामायणम्–वाल्मीकि। व्याख्या अथवा आलोचनात्मक प्रश्न	15
4	अलंकार – उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति, काव्यलिंग, अतिशयोक्ति, दीपक, विभवना, विशेषोक्ति, दृष्टांत, निदर्शना, यमक, शब्दश्लेष, अनुप्रास अनन्वय, ससन्देह, भ्रान्तिमान्। टिप्पणी :– अलंकारो के लक्षण चन्द्रालोक, साहित्यदर्पण अथवा काव्यप्रकाश से अध्येतव्य है, उदाहरण पाठ से भी दिये जा सकते है।।	15
5	निबंध (संस्कृत भाषा में) 15 वाक्यों में टिप्पणी – निबंध समीक्षात्मक अथवा विश्लेषणात्मक न होकर वर्णनात्मक पूछे जायेंगे।	

अनुशंसित ग्रंथ –

संस्कृत निबंध – डॉ. कपिलदेव, द्विवेदी, चौखवा प्रकाशन, वाराणसी

निबन्ध पारिजात – डॉ. रजनीकांत लहरी, चौखवा प्रकाशन, वाराणसी

रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव, द्विवेदी, चौखवा प्रकाशन, वाराणसी

प्रबन्ध रत्नाकर – डॉ. रमेशचन्द्र शुक्ल, डॉ. चौखवा प्रकाशन, वाराणसी

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना/असाइनमेंट/पेपर प्रेजेन्टेशन/आवधिक परीक्षण/संस्कृत संभाषण (मौखिकी)	**20 अंक**

DEPARTMENT OF SANSKRIT

RAJEEV GANDHI GOVT. PG COLLEGE AMBIKAPUR (C.G)

PROGRAM /COURSE STRUCTURE AND SYLLABUS

as per the Choice Based Credit System (CBCS)

for

BACHELOR OF ARTS B.A. (SANSKRIT)

(NEP COURSE)

SESSION - 2023-24

विषय – संस्कृत (स्नातक स्तर)

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष एवं चतुर्थ वर्ष हेतु संस्कृत विषय के दो–दो प्रश्नपत्र 100 अंकों के होंगे, जिनमें 80 अंकों की लिखित परीक्षा होगी और आन्तरिक मूल्यांकन (सतत् व्यापक मूल्यांकन) 20 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 4 इकाइयों में विभक्त होगा और प्रत्येक इकाई 20 अंकों की होगी।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ0ग0)

2023–24

Programme Outcome

PO-01.छात्रों में लेखन एवं वाचन में भाषागत कौशल का विकास होगा।

PO-02.भाषिक ज्ञान के साथ अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा।

PO-03.प्राचीन भारतीय विद्या की जानकारी पूर्वक राष्ट्र गौरव की चेतना विकसित होगी।

PO-04.भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से अवगत होकर विश्व मानवता के भाव में प्रतिष्ठित होंगे।

PO-05.नैतिक तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात् कर राष्ट्रोन्नति में एक सक्षम मानव संसाधन सिद्ध होंगे।

PO-06.मातृभाषा में संस्कृत शब्दों का पहचान होगा।

PO-07.सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान होगा।

PO-08.संस्कृत भाषा एवम् साहित्य के प्रति अनुसंधानात्मक दृष्टिकोण जागृत होगा।

PO-09.योग्य प्रषासक के गुणों का विकास होगा।

Programme Specific Outcome

1.विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा।

2.संस्कृत भाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।

संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषा मर्मज्ञता का विस्तार होगा।

3.संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण–लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।

4.भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन–सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी।

Course Outcome

CO-01.प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज तथा लोक–व्यवहार एवं भाषा आदि का ज्ञान होगा।

CO-02.मानवीय जीवनमूल्य, संवेदनाओं तथा गुणों को आत्मसात् करने की प्रेरणा मिलेगी।

CO-03.विश्व स्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा।

CO-04.वर्णमाला की गहन जानकारी पूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा।

CO-05.शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी।

B.A. 1st SEMESTER

प्रश्नपत्र – नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल **Paper Code- 0125**

पूर्णांक–80

प्रस्तावित व्याख्यान 60	**4 Point**	
ठकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–

CO-06. संभाषण कौषल का विकास होगा।

CO-07. शब्द रुप लेखन क्षमता का विकास होगा।

CO-08. संस्कृत का मातृभाषा में अनुवाद कौषल विकसित करना।

CO-09. अनुवाद द्वारा रचना धार्मिता का विकास होगा ।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓		✓	✓	✓	✓	✓		✓
PO2	✓		✓	✓	✓	✓		✓	✓
PO3	✓	✓	✓	✓	✓				
PO4	✓	✓						✓	
PO5	✓	✓			✓		✓		
PO6	✓		✓		✓	✓	✓	✓	✓
PO7	✓	✓		✓			✓		
PO8	✓	✓			✓	✓			✓
PO9	✓	✓		✓		✓		✓	

		संख्या
1	**स्वप्नवासवदत्तम्** – प्रथम से चतुर्थ अंक पर्यन्त । (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
2	**स्वप्नवासवदत्तम् –** पंचम अंक से समाप्ति पर्यन्त । (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	**संस्कृत संभाषण तथा लेखन –** (निम्नलिखित अनुसार शिक्षण केन्द्रित होगा ।) **सुबन्त (शब्दरूप)** – देव, गति, भानु, पितृ, भवत्, कर्तृ, आत्मन्, लता, मति, नदी, मातृ, फल, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, अस्मद्, युष्मद्, एक, द्वि, त्रि, चतुर्। **तिङन्त (धातुरूप) –** **परस्मैपदी –** भू, पठ्, गम्, अस्, पा, स्था, दृश्, दा, कृ, तुद्, चुर्, दिव् । **आत्मनेपदी –** सेव्, रम्, रुच्, मुद्, लभ्, जन्, वृत्, वृध् । **अव्यय –** अत्र, यत्र, तत्र, कुत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र, अधुना, इदानीम्, अद्य, श्वः, परश्वः, ह्यः, परह्यः, आम्, न, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, यदा, तदा, कदा, सदा, सर्वदा, किम्, कुतः, कति, किमर्थम्, अतः।	15
4	**सन्धि –** अच्, हल् तथा विसर्ग सन्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य))	15
	प्रत्याहार, संज्ञा और विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य) (पाणिनीय षिक्षा से अध्येतव्य)	

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. **स्वप्नवासवदत्तम् –** श्री तारिणीश झा, प्रकाशक – रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद।
2. **स्वप्नवासवदत्तम् –**वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी, प्रकाशक – महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
3. **प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी –** डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. **रचनानुवादकौमुदी** – डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. **अनुवाद चन्द्रिका –**डा. यदुनन्दन मिश्र, प्रकाशक –चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली।
6. **संस्कृत में अनुवाद कैसे करें –** उमाकान्तमिश्र शास्त्री, प्रकाशक – भारतीभवन।
7. **लघुसिद्धान्तकौमुदी –** श्री महेश सिंह कुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
8. **पाणिनीय शिक्षा –** प्रकाशक – चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी।
9. **रूपचन्द्रिका –** ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
10. **संस्कृतस्यव्यावहारिकस्वरूपम् –** डा. नरेन्द्र, प्रकाशक –श्री अरविन्द आश्रम।

मूल्यांकन योजना	(अधिकतम अंक 100)

परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना / असाइनमेंट / पेपर प्रेजेन्टेशन / आवधिक परीक्षण / संस्कृत संभाषण (मौखिकी)	**20 अंक**

Course Outcome

CO-01.विश्व के प्राचीनतम, तथा भारत के ज्ञानागारभूत ग्रन्थ ऋग्वेद तथा अन्य वैदिक, पौराणिक साहित्य के अनुशीलन से प्राचीन ज्ञान–सम्पदा का बोध होगा।

CO-02.वैदिक साहित्य में प्रतिपादित विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव तथा समत्वचिन्तन के उच्च आदर्शों से मानवीय सद्गुणों का आधान एवं विकास होगा।

CO-03.उपदेशात्मक ग्रन्थ से नैतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान की लब्धि होगी।

CO-04.ज्ञानार्जन के साथ उच्चारण एवं भाषिक क्षमता में अभिवृद्धि होगी।

CO-05.आधुनिक युग की संस्कृत रचनाओं की जानकारी प्राप्त होगी।

CO-06.वैदिक वाङमय तथा गद्य पद्यात्मक लेखन शैली का समझ विकसित होगा।

CO-07.पौराणिक साहित्य के प्राचीन ज्ञान–सम्पदा में वृध्दि होगी।

CO-08. संस्कृत कथाओं के द्वारा नैतिक विकास होगा।

CO-09. आधुनिक संस्कृत कवियों से परिचित होगें।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓	✓	✓	✓		✓			
PO2	✓	✓		✓		✓	✓		
PO3	✓	✓	✓				✓	✓	
PO4	✓	✓	✓		✓	✓	✓	✓	✓
PO5	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO6	✓	✓		✓		✓	✓		
PO7	✓	✓	✓				✓	✓	
PO8	✓	✓			✓	✓	✓	✓	✓
PO9	✓		✓		✓			✓	

B.A. 2nd SEMESTER

प्रश्नपत्र – प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य **Paper Code - 0126**

पूर्णांक – 80

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–

		संख्या
1	**वैदिक एवं पौराणिक साहित्य –** वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांगों एवं पुराणों का संक्षिप्त परिचय।	**15**
2	**वैदिक साहित्य में विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव एवं समत्वचिन्तन।** ऋग्वेद, संज्ञानसूक्त (10.191) के मन्त्र संख्या – 2,3,4 ऋग्वेद, पुरुषसूक्त का मन्त्र संख्या – 2 ऋग्वेद, विश्वेदेवासःसूक्त (1.89) के मन्त्र संख्या –6,8 यजुर्वेद 31 वें अध्याय का मन्त्र संख्या – 19 यजुर्वेद 36 वें अध्याय का मन्त्र संख्या – 18 कठोपनिषद् का शान्ति मन्त्र तथा द्वितीय अध्याय, द्वितीय वल्ली के श्लोक संख्या – 9, 10, 12. मुण्डकोपनिषद् का श्लोक संख्या – 3.1.3 छान्दोग्योपनिषद् का श्लोक संख्या – 3.14.1	**15**
3	**शुकनासोपदेश –** व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	**15**
4	**हितोपदेशः (मित्रलाभः) –** व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	**15**
	आधुनिक संस्कृत कवि परिचय – अप्पा शास्त्री राशिवडेकर, पण्डिता क्षमा राव, जगन्नाथ पाठक, श्रीनिवास रथ, जानकीवल्ल्भ शास्त्री, वेंकटराम राघवन, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, हर्षदेव माधव, डा. रेवा प्रसाद द्विवेदी, डा.पुष्पा दीक्षित, डा. कामता प्रसाद त्रिपाठी।	

अनुशंसितग्रन्थ –

1. ✓✓**ऋक्सूक्तसंग्रह –** तारिणीश झा, प्रकाशक – प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
2. **ऋग्वेदसंहिता –** श्रीमन्मोक्षमूलर, प्रकाशक – कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
3. **शुक्लयजुर्वेद संहिता –** श्रीरामकृष्ण शास्त्री, प्रकाशक – चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी।
4. **पुराण–विमर्श –** आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
5. **वैदिकसाहित्यस्येतिहासः –** डा. राजधर मिश्रः, प्रकाशक – श्याम प्रकाशन, जयपुर।
6. **वैदिक–साहित्य और संस्कृति –** आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक – शारदा मन्दिर, काशी।
7. **वैदिक–साहित्य और संस्कृति –** वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी।
8. **संस्कृत–साहित्य का इतिहास –** आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी।
9. **संस्कृत–साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास –** डा. कपिलदेव द्विवेदी।
10. **कठोपनिषद्, प्रकाशक –** गीताप्रेस, गोरखपुर।
11. **माण्डूक्योपनिषद्, प्रकाशक –** गीताप्रेस, गोरखपुर।
12. **छान्दोग्योपनिषद् –** प्रकाशक – गीताप्रेस, गोरखपुर।

13. **शुकनासोपदेश** – प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
14. **हितोपदेश (मित्रलाभ)** – प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
15. **हितोपदेश (मित्रलाभ)** – आचार्य श्रीशेषराज शर्मा रेग्गमी ,प्रकाशक – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
16. **हितोपदेश** – नारायणराम आचार्य तीर्थ, प्रकाशक – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
17. **नवस्पन्द सम्पादक** – डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना / असाइनमेंट / पेपर / प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण। इकाई 2 (वैदिक साहित्य में विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव एवं समत्वचिन्तन) से मौखिकी	**20 अंक**

Course Outcome

CO-01.अभिनय कला के सांगोपांग ज्ञान से सम्बन्धित क्षेत्र में व्यावसायिक अवसर की संभावना बनेगी।
CO-02.पाठ्य नाटक से पर–हितार्थ सहयोग तथा त्याग–भावना की प्रवृत्ति उदित होगी।
CO-03.व्याकरण के अनुशीलन से पदच्छेद, पदों के समास तथा वाक्यों के वाच्य–परिवर्तन की क्षमता निर्मित होगी।
CO-04.संस्कृत संभाषण–लेखन का कौशल विकसित होगा।
CO-05.संस्कृत नाटकों के कथावस्तु का परिचय,नायक अभिनय,वास्तविक जीवन से संबंधता का आत्मानुभूति एवं सामाजिक विकास होगा।
CO-06.प्रतिभा प्रदर्षित करने के अवसर प्रदान करना।
CO-07.नाट्य अभिनय कला का परिचय प्रदान करना।
CO-08.भाषा ज्ञान संबंधि कठिनाईयों को दूर करना ।
CO-09.कारक प्रयोग एवम् अनुवाद द्वारा भाषा कौषल का विकास करना।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓		✓	✓	✓		✓		✓
PO2	✓		✓	✓	✓	✓	✓		✓
PO3		✓	✓	✓	✓	✓		✓	
PO4	✓	✓			✓		✓		✓
PO5	✓	✓		✓	✓	✓		✓	✓
PO6	✓		✓	✓		✓			
PO7		✓		✓	✓		✓	✓	✓
PO8	✓		✓		✓		✓	✓	
PO9		✓	✓	✓		✓		✓	✓

B.A. 3rd SEMESTER

प्रश्नपत्र – नाटक, अभिनय कला तथा व्याकरण **Paper Code - 0195**

पूर्णांक – 80

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–संख्या
1	**नागानन्दनाटकम् अंक –** 1,2,3 पर्यन्त (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	**15**
2	**नागानन्दनाटकम् अंक –** 4,5 (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	**15**
3	**नाट्यविद्या और रंगकर्म –** नाट्य–लक्षण, चतुर्विध अभिनय, कथावस्तु–मुख्य–गौण, रस–प्रकार, नायक–नायिका–भेद। **नाट्यशास्त्रीय परिभाषाएँ –** नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, स्वगत, प्रकाश, जनान्तिक, अपवारित, कंचुकी, विदूषक, भरतवाक्य।	**15**
4	**समास प्रकरण** (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	**15**

	वाच्यभेद – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य	

अनुशंसितग्रन्थ –

1. **नागानन्दनाटक –** हर्षवर्धन, प्रकाशक – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2. **दशरूपकम् –** डा. रमाशंकर त्रिपाठी, प्रकाशक – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. **लघुसिद्धान्तकौमुदी –** श्री महेश सिंह कुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. **रचनानुवादकौमुदी –** डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. **अनुवाद चन्द्रिका –** डा. यदुनन्दन मिश्र, प्रकाशक –चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली।

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना / असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण इकाई 3 (नाट्यविद्या और रंगकर्म) से मौखिकी	**20 अंक**

Course Outcome

Co-01.काव्य के दृश्य–श्रव्य आदि भेदोपभेदों का सम्यक् ज्ञान होगा।
Co-02.विभिन्न ऐतिहासिक वृत्तों की जानकारी प्राप्त होगी।
Co-03.पाठ्यविषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से सुपरिचित हो सकेंगे।
Co-04.नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य–विकास होगा।
Co-05.भारतीय मनीषी तत्त्व–चिन्तकों द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विश्व को प्रदत्त अभूतपूर्व अवदान की जानकारी मिलेगी।

Co-06.श्लोक कंठस्थ करने प्रेरणा प्रदान करना।
Co-07.साहित्येतिहास ग्रंथों के रहस्यों को ज्ञात करना।
Co-08.नाट्य अभिनय कला का परिचय प्रदान करना।
Co-09.भारतीय तत्त्वचिन्तक से परिचित होंगे।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓	✓	✓		✓		✓		✓
PO2	✓	✓	✓	✓		✓		✓	
PO3		✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO4	✓		✓	✓	✓			✓	
PO5		✓	✓	✓	✓		✓		✓
PO6	✓	✓				✓		✓	✓
PO7	✓			✓	✓		✓	✓	
PO8		✓	✓	✓		✓		✓	✓
PO9	✓	✓				✓	✓		✓

B.A. 4th SEMESTER

प्रश्नपत्र – काव्य, साहित्येतिहास तथा तत्त्वचिन्तक **Paper Code - 0196**

पूर्णांक– 80

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–संख्या
1	**रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्गः)** श्लोक 1 से 40 तक (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	**15**
2	**रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्गः)** श्लोक 41 से 75 तक (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	**15**
3	**नीतिशतकम् (भर्तृहरिकृत)** दो श्लोकों की व्याख्या	**15**
4	**काव्य एवं साहित्येतिहास :–**	**15**

	नाटक – अभिज्ञानशाकुन्तल, उत्तररामचरित, वेणीसंहार, मुद्राराक्षस, मृच्छकटिक। **महाकाव्य –** रघुवंश, कुमारसंभव, बुद्धचरित, सौन्दरनन्द, किरातार्जुनीय, भट्टिकाव्य, जानकीहरण, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, हरविजय, नवसाहसांकचरित, विक्रमांकदेवचरित। **गद्यकाव्य –** वासवदत्ता, दशकुमारचरित, कादम्बरी, हर्षचरित, शिवराजविजय। **खण्डकाव्य (गीतिकाव्य एवं मुक्तक) –** शतकत्रय (भर्तृहरि), ऋतुसंहार, मेघदूत, अमरुकशतक, गीतगोविन्द, भामिनीविलास, पंचलहरी। **चम्पूकाव्य –** नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, कथासाहित्य–पंचतंत्र, हितोपदेश, बेतालपंचविंशति, शुकसप्तति, कथासरित्सागर, बृहत्कथामंजरी। **(उल्लिखित कृतियों के रचनाकारों का सामान्य परिचय अपेक्षित है।)**	
	भारतीय तत्त्वचिन्तक – महर्षि यास्क, आचार्य शंकर, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, बोधायन, नागार्जुन, भारद्वाज, कौटिल्य, पाणिनि, कणाद, पतंजलि, चरक, सुश्रुत। **(उपर्युक्त तत्वचिंतकों का सामान्य परिचय अपेक्षित है।)**	

अनुशंसितग्रन्थ –

1. **रघुवंशमहाकाव्य –** कालिदास, प्रकाशक – मोतीलालबनारसीदास।
2. **नीतिशतकम् –** स्वामी प्रखर प्रज्ञानन्द सरस्वती, प्रकाशक – चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
3. **संस्कृत–साहित्य का इतिहास –** आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक – शारदा मन्दिर, काशी।
4. **संस्कृत–साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास –** डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक –रामनारायणलाल विजय कुमार, इलाहाबाद।
5. **संस्कृत–साहित्य का इतिहास –** वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना/असाइनमेंट/पेपर प्रेजेटेशन/आवधिक परीक्षण। इकाई 3 (नीतिशतकम्) से मौखिकी	**20 अंक**

Course Outcome

Co-01.विश्वप्रसिद्ध नाटक की काव्यगत विशेषताओं की जानकारी मिलेगी।

Co-02.अभिनय कला के कलात्मक तथा भावात्मक पक्ष का ज्ञान होगा।

Co-03.व्याकरण के प्रत्यय–अनुशीलन से पद–व्युत्पत्ति का बोध–विस्तार होगा। भाषिक क्षमता की वृद्धि होगी।

Co-04.छत्तीसगढ़ के तीर्थ–स्थलों के अनुशीलन से प्रदेश के भौगोलिक–धार्मिक वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त होगा।

Co-05.ऐतिहासिक धार्मिक पर्यटन स्थलों से नैतिक एवं आध्यात्मिक भावों का विकास होगा।

Co-06.छात्रों को भावाभिव्यक्ति प्रदर्षन के अवसर प्रदान करना।

Co-07.संस्कृत के षुध्द रुप का ज्ञान एवम् प्रयोग दक्षता विकसित करना।

Co-08.श्रवण,वाचन ,लेखन आदि कौषल का विकास करना।

Co-09.नाटकों से तत्कालिन संस्कृति से लाभान्वित होना।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1		✓	✓	✓	✓	✓		✓	✓
PO2	✓	✓	✓				✓		
PO3	✓		✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓
PO4		✓		✓	✓	✓		✓	
PO5	✓		✓	✓	✓		✓		✓
PO6			✓			✓		✓	
PO7		✓		✓		✓		✓	✓
PO8	✓		✓	✓	✓		✓		✓
PO9		✓			✓			✓	

B.A. 5th SEMESTER

प्रश्नपत्र – नाटक, व्याकरण तथा छत्तीसगढ़ी तीर्थ–वैभव **Paper Code - 0257**

पूर्णांक– 80

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान – संख्या
1	**अभिज्ञानशाकुन्तलम्** (1 से 4 अंक तक) (अंक 1 तथा 4 से व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
2	**अभिज्ञानशाकुन्तलम्** (5 से 7 अंक तक) (अंक 5 तथा 7 से व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	**व्याकरण – कृत् प्रत्यय –** तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, शतृ, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, ण्वुल्, तृच्, ल्युट्, अण्। स्त्रीप्रत्यय –टाप्, ङीप्, ङीष्, ङीन्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य)	15
4	**व्याकरण –** **तद्धितप्रत्यय –** अण्, ढक्, ष्यञ्, त्व, तल्, इमनिच्, ठक्, इञ्, मतुप्, इनि, इतच्, ईयसुन्, इष्ठन्, तरप्, तमप्, ण्य, यञ्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य)	15
	छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीर्थस्थल – सिरपुर, राजिम, डोंगरगढ़, सिहावा, दन्तेवाड़ा, खल्लारी, शिवरीनारायण, चम्पारण्य, तुरतुरिया, लाफागढ़, रतनपुर, कबीरधाम, दामाखेड़ा, गिरौदपुरी, सामरबार (जशपुर)।	

अनुशंसितग्रन्थ –

1. **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** – डा. वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी, प्रकाशक – महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
2. **अभिज्ञानशाकुन्तलम्** – सुबोधचन्द्र पंत, प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
3. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** – श्रीधरानन्द शास्त्री, प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** – श्री महेश सिंह कुशवाहा, प्रकाशक–चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
5. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** – डा. प्रभाकर मिश्र, प्रकाशक–चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
6. **शीघ्रबोधव्याकरणम्** – डा. पुष्पादीक्षित, पाणिनीयशोध संस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर।

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे। **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –**	**20 अंक**

(सतत व्यापक मूल्यांकन)	परियोजना / असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण। इकाई 3 तथा 4 (व्याकरण) से मौखिकी	

Course Outcome

Co-01.आदिकाव्य रामायण महाकाव्य के अनुशीलन से भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रसार तथा चारित्रिक आदर्श की प्रेरणा प्राप्त होगी।

Co-02.महाभारत–आधारित ग्रन्थानुशीलन से कथा–परिचय सह राजनीतिक सूझ का विकास होगा।

Co-03.छन्दों के ज्ञान से मौलिक काव्य–निर्माण की योग्यता विकसित होगी।

Co-04.अलंकार–ज्ञान से मौलिक कल्पना तथा चिन्तन को विस्तार मिलेगा।

Co-05.संस्कृत भाषा में निबन्ध, समाचार आदि लेखन–क्षमता से व्यावसायिक अवसर उपलब्ध होगा।

Co-06.छंद ज्ञान द्वारा काव्य रचना कौषल का विकास करना।

Co-07.श्रवण वाचन लेखन तथा शब्द कोष की वृध्दि होगी।

Co-08.निबंध द्वारा वाक्य विन्यास रचना क्षमता विकसित करना।

Co-09.विद्यार्थियों में अलंकारों की साहित्यिक क्षमता का विकास करना ।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓	✓	✓	✓	✓		✓	✓	✓
PO2	✓		✓	✓	✓	✓			
PO3	✓	✓	✓	✓				✓	✓
PO4	✓	✓				✓			
PO5	✓	✓	✓	✓	✓			✓	✓
PO6		✓		✓	✓		✓		
PO7	✓			✓		✓		✓	
PO8	✓		✓	✓			✓		✓
PO9		✓			✓		✓		

B.A. 6th SEMESTER

प्रश्नपत्र – काव्य, काव्यविधान तथा लेखनकौशल **Paper Code - 0258**

पूर्णांक– 80

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान–संख्या
1	**किरातार्जुनीयम्** (भारवि) प्रथमसर्ग (व्याख्या तथा आलोचनात्मक प्रश्न)	**15**
2	**वाल्मीकीय रामायण –** बालकाण्ड, प्रथम तथा द्वितीय सर्ग (व्याख्या तथा आलोचनात्मक प्रश्न)	**15**
3	**छन्दःशास्त्रम् –** अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता, भुजंगप्रयातम्। **(उक्त छन्दों के लक्षण के साथ उदाहरण पाठ्यक्रमों से भी दिये जा सकते हैं।)**	**15**
4	**अलंकार –** अनुप्रास, यमक, शब्दश्लेश, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अनन्वय, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति, अतिशयोक्ति, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, दृष्टान्त, निदर्शना, प्रतिवस्तूपमा, सन्देह, भ्रान्तिमान्, काव्यलिंग। (**टिप्पणी** – उक्त अलंकारों के लक्षण चन्द्रलोक, काव्यप्रकाश अथवा साहित्यदर्पण से अध्येतव्य हैं, उदाहरण पाठ्यपुस्तकों से भी दिये जा सकते हैं।)	**15**
	संस्कृतभाषा में निबन्ध – समाचारलेखन, पत्रलेखन । (15 वाक्यों में)	

अनुशंसितग्रन्थ –

1. **किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) –** डा. राजेन्द्र मिश्र, प्रकाशक – सरस्वती प्रकाशन मन्दिर इलाहाबाद।
2. **वाल्मीकीय रामायण**, प्रकाशक – गीताप्रेस गोरखपुर।
3. **छन्दोमंजरी –** डा. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक – चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी।
4. **काव्यप्रकाश –** आचार्य विश्वेश्वर, प्रकाशक – ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
5. **चन्द्रालोक –** ललन मिश्र, प्रकाशक – चौखम्बा पब्लिशर्स, दिल्ली।
6. **संस्कृतनिबन्धशतकम् –** डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
7. **निबन्धपारिजात –** डा. रजनीकान्तलहरी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
8. **प्रबन्धरत्नाकर –** डा. रमेशचन्द्र शुक्ल, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
9. **रचनानुवादकौमुदी –** डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक –चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना/असाइनमेंट/पेपर प्रेजेटेशन/आवधिक परीक्षण।	**20 अंक**

मूल्यांकन)	इकाई 3 (छन्दःशास्त्रम्) तथा इकाई 4 (अलंकार) से मौखिकी	

Course Outcome

Co-01.काव्यशास्त्रीय विभिन्न मतों के अनुशीलन से पारम्परिक ज्ञान के साथ मौलिक चिन्तन एवं आलोचनात्मक बुद्धि विकसित होगी ।

Co-02.शब्द, अर्थ तथा शब्द–शक्तियों का ज्ञान काव्य तथा भाषा के अवबोध में दक्षता प्रदान करेगी ।

Co-03.काव्य–रचना के विभिन्न अंगों की जानकारी कवित्व–प्रतिभा का यथेष्ट विकास होगा ।

Co-04.भारतीय आस्तिक–नास्तिक दर्शनों से तर्कपूर्ण–चिन्तन की क्षमता विस्तृत होगी ।

Co-05.योग का शास्त्रीय ज्ञान सम्बन्धित क्षेत्र में व्यावसायिक सफलता में सहायक होगा ।

Co-06.काव्यों के रसात्मक भावों के पक्षों का समझ प्राप्त होगा।

Co-07.भारतीय मीमांषकों के दर्षनों से परिचित हो कर तार्किक क्षमता का विकास होगा।

Co-08.शब्द शक्ति के द्वारा काव्य प्रयोजन व भाषा कौषल का अवबोध होगा।

Co-09.योग के द्वारा आध्यात्मिक चिंतन का विकास होगा ।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓	✓	✓			✓		✓	
PO2	✓	✓	✓	✓			✓		✓
PO3	✓	✓		✓	✓			✓	✓
PO4	✓			✓	✓	✓	✓	✓	
PO5	✓	✓	✓						✓
PO6			✓	✓		✓	✓		
PO7	✓			✓				✓	✓
PO8		✓		✓		✓		✓	
PO9	✓		✓		✓		✓		

B.A. **7th SEMESTER**

प्रश्नपत्र – काव्यशास्त्र तथा दर्शनशास्त्र **पूर्णांक – 80**

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान – संख्या
1	**काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय –** रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य।	**15**
2	**काव्य के प्रयोजन, हेतु, लक्षण तथा भेद।**	**15**
3	**शब्द–शक्ति –** अभिधा, लक्षणा, व्यंजना ।	**15**
4	**भारतीय दर्शनों का सामान्य परिचय –** जैन, बौद्ध, चार्वाक, न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा, वेदान्त ।	**15**
	पातंजलयोगसूत्र – समाधिपाद – सूत्र 1 से 29 साधनपाद – सूत्र 29 से 55 विभूतिपाद – सूत्र 1 से 12	

अनुशंसितग्रन्थ –

1. **भारतीय काव्यशास्त्र (संस्कृत) का इतिहास –** राजवंश सहाय हीरा, प्रकाशक–चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2. **संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास –** डा. सुशील कुमार डे (अनुवादक – श्री मायाराम शर्मा) प्रकाशक–बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना।
3. **संस्कृत आलोचना –** आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशन – प्रकाशन ब्यूरो, सूचना विभाग, उत्तरप्रदेश।
4. **काव्यप्रकाश –** आचार्य विश्वेश्वर, प्रकाशक – ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
5. **भारतीय दर्शन की रूपरेखा** – आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक – चौखम्बा ओरियन्टालिया वाराणसी।
6. **भारतीयदर्शन –** वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. **भारतीयदर्शन –** राधाकृष्णन्, प्रकाशक –राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।
8. **पातंजलयोगप्रदीप –** प्रकाशक – गीताप्रेस गोरखपुर।

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	80 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना/असाइनमेंट/पेपर प्रेजेटेशन/आवधिक परीक्षण इकाई 1,2, 3 (काव्यशास्त्रम्) से मौखिकी	20 अंक

Course Outcome

Co-01.भारतीय ज्ञान के निधिभूत चारों वेदोंकी विषयवस्तु की जानकारी उपलब्ध होगी।
Co-02.शब्द–अर्थ–ध्वनि–सहित भाषिक पक्ष के साथ संसार के भाषा–परिवार तथा भारतीय

आर्य भाषाओं का सम्यक् ज्ञान प्राप्त होगा।

Co-03.सुभाषितों में निहित भारतीय सांस्कृतिक उदात्त विचारों से अवगत होंगे तथा मानवीय सद्गुणों का विकास होगा।

Co-04.विषयविशेष पर केन्द्रित व्याख्यात्मक तथा लेखन–क्षमता निर्मित होगी।
अनुवाद कला की योग्यता प्राप्त होगी।

Co-05.वाद–विवाद में विचारों की युक्तिपूर्ण प्रस्तुति के साथ संस्कृत संभाषण–लेखन का कौशल निर्मित होगा।

Co-06.सुभाषितों में निहित भारतीय सांस्कृतिक उदात्त विचारों से अवगत होंगे तथा मानवीय सद्गुणों का विकास होगा।

Co-07.वैदिक साहित्य में प्रतिपादित सूक्तों का अध्ययन कर उसकी ज्ञान–सम्पदा का बोध होगा।

Co-08.प्राचीन आर्यभाषिक ज्ञान के साथ भाषा और बोली में अन्तर स्पष्ट कर आलोचनात्मक बुध्दि विकसित होगी।

Co-09.भारतीय दर्षनों के अध्ययन से तर्कपूर्ण–चिन्तन की क्षमता विस्तृत होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓	✓	✓		✓			✓	
PO2	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓		✓
PO3	✓		✓		✓	✓			✓
PO4	✓	✓	✓	✓	✓			✓	
PO5	✓	✓		✓	✓		✓		✓
PO6	✓		✓		✓			✓	
PO7			✓		✓	✓			
PO8		✓		✓		✓			✓
PO9	✓	✓			✓		✓	✓	

B.A. **8th SEMESTER**

प्रश्नपत्र – काव्यशास्त्र तथा दर्शनशास्त्र **पूर्णांक – 80**

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान –संख्या
1	**ऋग्वेद –** अग्निसूक्त (1.1) , पुरुषसूक्त (10.90) **शुक्लयजुर्वेद –** रुद्रसूक्त, अध्याय – 16 (मन्त्र 1 से 16 तक) **शिवसंकल्पसूक्त** – अध्याय 34 (मन्त्र 1 से 6 तक) **सामवेद –** उत्तरार्चिक (18–2) मन्त्र 1 से 5 तक **अथर्ववेद –** अपां भेषजसूक्त (1.6)	**15**
2	**भाषा और बोली में अन्तर –** **भाषाओं का वर्गीकरण –** आकृतिमूलक और पारिवारिक, **ध्वनिपरिवर्तन के कारण,** **अर्थपरिवर्तन की दिशायें और कारण,** **भारोपीय भाषा –** परिवार का संक्षिप्तपरिचय।	**15**
3	**भारतीय आर्यभाषा –** प्राचीन भारतीय आर्यभाषा, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा तथा आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ ।	**15**
4	**निम्नलिखित सुभाषितों की संस्कृत व्याख्या (15 वाक्यों में)–** सर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम्, तमसो मा ज्योतिर्गमय, सत्यमेव जयते, अहिंसा परमो धर्मः, कर्मण्येवाधिकारस्ते, अति सर्वत्र वर्जयेत्, विद्ययाऽमृतमश्नुते, गुणाःपूजास्थानम्, विद्वान् सर्वत्र पूज्यते, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।	**15**
	1 हिन्दी से संस्कृत अनुवाद **2 संस्कृत वाद–विवाद लेखन ।** (वाद–विवाद विषयक प्रश्न भारतीय संस्कृति अथवा समसामयिक घटनाओं से सम्बन्धित पूछे जायेंगे।)	

अनुशंसितग्रन्थ –

1. **ऋक्सूक्तसंग्रह –** डा. हरिदत्त शास्त्री , प्रकाशक – साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. **ऋक्सूक्तसंग्रह –** तारिणीश झा , प्रकाशक – प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
3. **भाषाविज्ञान –** डा. भोला नाथ तिवारी, प्रकाशक – चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
4. **संस्कृतनिबन्धशतकम् –** डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

5. **निबन्धपारिजात** – डा. रजनीकान्तलहरी, प्रकाशक – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6. **प्रबन्धरत्नाकर** – डा. रमेशचन्द्र शुक्ल, प्रकाशक – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
7. **रचनानुवादकौमुदी** – डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. **प्रौढ़रचनानुवादकौमुदी** – डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक –विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना / असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण इकाई 1 से मन्त्रवाचन मौखिकी	**20 अंक**

Course Outcome

CO-01. इस पाठ्यक्रम को अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थीयों को संस्कृत भाषा की वर्णों की सम्यक जानकारी प्राप्त होगी।
CO-02. संस्कृत में वाक्य निर्माण प्रकिया का ज्ञान होगा।
CO-03. संस्कृत में संभाषण की प्रवृत्ति होगी।
CO-04. व्याकरण के प्रारंभिक ज्ञान की प्राप्ति होगी।
CO-05. संस्कृत के व्यवहार में आने वाले शब्दों का ज्ञान होगा।
CO-06. व्याकरण के गहन जानकारी से शब्दों का योग व विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा।
CO-07. भाषागत व्याकरण के प्रयोग से शब्द कोष में अभिवृध्दि होगी।
CO-08. संस्कृत वर्णों के उच्चारण की दिषा में विभिन्न गतिविधियों का बोध होगा।
CO-09. व्याकरण की समझ से अनुवाद प्रक्रिया में निपुणता प्राप्त होगी।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1	✓	✓	✓	✓	✓		✓		✓
PO2	✓		✓	✓	✓				
PO3	✓	✓	✓	✓		✓		✓	
PO4	✓	✓		✓			✓		✓
PO5	✓	✓	✓	✓	✓			✓	
PO6			✓			✓		✓	
PO7	✓		✓		✓		✓		✓
PO8		✓		✓	✓	✓		✓	
PO9	✓			✓		✓			

B.A. **3rd SEMESTER**

प्रश्नपत्र – संस्कृत कौषलम् (डी.एस.ई.) **पूर्णांक – 80**

प्रस्तावित व्याख्यान 60 **4 Point**

इकाई	**पाठ्यविषय**	**व्याख्यान –संख्या**
1	वर्णमाला ज्ञान प्रकरण (माहेष्वर सूत्राणि) संस्कृत भाषा में प्रयुक्त वर्णों का परिचय (स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग)	**15**
2	वर्णों का उच्चारण स्थान संस्कृत में वर्णों के उच्चारण के स्थानों का ज्ञान	**15**
3	काल , वचन, पुरूष, लिंग, समास, संधि, अव्यय तथा समय का ज्ञान हिन्दी से संस्कृत अनुवाद	**15**
4	दैनिक व्यवहारिक जीवन में प्रयक्त होने वाली वस्तुओं के संस्कृत नाम –(फल, फूल, सब्जी, घर–आलमारी, रिष्तों के नाम इत्यादि तथा संख्या का ज्ञान) संस्कृत संभाषण आत्मपरिचय, सामान्य वाक्य व्यवहार (दिनचर्या–जागरण–स्नान–भोजन	**15**

	इत्यादि)	

अनुशंसितग्रन्थ –

1 **पाणिनीय शिक्षा –** प्रकाशक – चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी।
2 **प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी –** डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3 **रचनानुवादकौमुदी** – डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4 **अनुवाद चन्द्रिका –**डा. यदुनन्दन मिश्र, प्रकाशक –चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली।
5 **संस्कृत में अनुवाद कैसे करें –** उमाकान्तमिश्र शास्त्री, प्रकाशक – भारतीभवन।
6 **लघुसिद्धान्तकौमुदी –** श्री महेश सिंह कुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
7 **रूपचन्द्रिका –** ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
8 **संस्कृतस्यव्यावहारिकस्वरूपम् –** डा. नरेन्द्र, प्रकाशक –श्री अरविन्द आश्रम।

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना / असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण इकाई 1 से मन्त्रवाचन मौखिकी	**20 अंक**

Course Outcome

Co-01.इस पाठ्यक्रम को अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थीयों भारतीय में जीवन दर्षन को आत्मसात कर उन्नति कर सकेंगे।

Co-02.गीता में दर्षाए भौतिक और आध्यात्मिक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे।

Co-03.विद्यार्थी अपने जीवन में आत्म प्रबंधन का प्रयोग कर सकेंगे।

Co-04.विद्यार्थी जीवन का महत्व समझ कर सकारात्मक दिषा में बढ़ सकेंग।

Co-05.जीवन कौसल एवं नैतिकता का विकास होगा।

Co-06गीतोपदेष से व्यवहार एवम् चरित्र का निर्माण होगा।

Co-07.समाजिक व मानवतावादी दृष्टिकोण का विस्तार होगा ।

Co-08.संसारिक जीवन शैली का ज्ञान होगा।

Co-09.गीता में निहित रहस्यमयि विद्या का अवबोध होगा।

	CO1	CO2	CO3	CO4	CO5	CO6	CO7	CO8	CO9
PO1		✓	✓		✓		✓		✓
PO2	✓		✓		✓	✓		✓	✓
PO3	✓	✓	✓		✓		✓	✓	
PO4	✓	✓		✓	✓	✓			✓
PO5	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓		
PO6		✓			✓		✓		✓
PO7	✓		✓	✓		✓	✓		
PO8	✓		✓		✓			✓	✓
PO9		✓		✓	✓		✓		✓

B.A. **4th SEMESTER**

प्रश्नपत्र – गीता में आत्म प्रबंधन(डी.एस.ई.) **पूर्णांक – 80**

प्रस्तावित व्याख्यान 60	4 Point	
इकाई	**पाठ्यविषय**	**व्याख्यान –संख्या**
1	गीता परिचय एवं महत्व	**15**
2	द्वितीय अध्याय (सांख्य योग) श्लोक संख्या एक से तीस तक ससंदर्भ व्याख्या	**15**
3	द्वितीय अध्याय (सांख्य योग) श्लोक संख्या तीस से छिहत्तर तक ससंदर्भ व्याख्या	**15**
4	गीतासार /समीक्षा/ निबंध	**15**

अनुशंसितग्रन्थ –

1 **श्रीमद भागवत् गीता –** प्रकाशक – गीताप्रेस, गोरखपुर।

मूल्यांकन योजना		**(अधिकतम अंक 100)**
परीक्षा	04 इकाई से पाठ्य–विषय अनुसार विकल्प सहित 20–20 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । **4×20 = 80**	**80 अंक**
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	**पाठ्यक्रम सम्बन्धित –** परियोजना/असाइनमेंट/पेपर प्रेजेटेशन/आवधिक परीक्षण इकाई 2 एवं 3 से श्लोकपाठ मौखिकी	**20 अंक**

Department of SANSKRIT

Govt. Autonomous P.G. College, Ambikapur

Relevance of Course to Global, National, Regional and Local Needs

				Relevance			
Class	**Course Code**	**Course Title**	**Description**	**Local**	**National**	**Regional**	**Global**
BA I Sem	DSC S-01	नाटक, व्याकरण एवं भाषा कौषल	स्वप्नवासवदत्त, संस्कृत संभाषण तथा लेखन	√	√		√
BA II Sem	DSC S- 02	प्राचीन एवं आधुनिक संस्कृत साहित्य	वैदिक एवं पौराणिक साहित्य, ऋग्वेद, सामवेद, शुकनासोपदेष, हितोपदेष		√		√
BA III Sem	DSC S- 03	नाटक, अभिनयकला तथा व्याकरण	नागानंद नाटक, नाट्विद्या और रंगकर्म	√	√	√	√
BA IV Sem DSC Hist.-IV	DSC S- 04	काव्य, साहित्येतिहास तथा तत्वचिंतक	रघुवंष महाकाव्य, नीतिषतक, चम्पूकाव्य, कथा साहित्य		√		√
BA V Sem DSC Hist.-V	DSC S- 05	नाटक, व्याकरण तथा छत्तीसगढ़	अभिज्ञान शाकुंतलम, व्याकरण, छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीर्थ स्थल	√	√	√	
BA VI Sem DSC Hist.-VI	DSC S- 06	काव्य, काव्यविधान तथा लेखन कौषल	किरातार्जुनीयम्, वाल्मीकीय रामायण		√		√
BA III Sem	DSE S- 01	संस्कृत कौषलम्	वर्णमाला, वर्णोच्चारण	√		√	
BA III Sem	DSE S- 02	गीता में आत्मप्रबंधन	गीता परिचय, सांख्य योग		√	√	√